जीएम सरसों के विरोध पर आपत्ति

नई दिल्ली @ पत्रिका

patrika.com/business

जीएम सरसों का विरोध किए जाने पर कड़ी आपत्ति जताते हुए एसोसिएशन ऑफ बायोटेक लेड इंटरप्राइजेज एग्रीकल्चर फोक्सड ग्रुप (एबीएलई एजी) ने कहा कि यह न सिर्फ विज्ञान के बल्कि किसानों के भी खिलाफ है। एग्री बायोटेकनोलॉजी क्षेत्र की कंपनियों के इस प्रमुख संगठन की प्रबंधन समिति के प्रमुख एवं श्रीराम बायोसीड जेनेटिक्स इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक (शोध) डॉ. परेश वर्मा ने कहा कि एक संगठन के तौर पर उनकी प्रतिबद्धता सुरक्षित और नवाचारी एग्री बायोटेकनोलॉजी सॉल्यूशंस के जरिये किसानों के लिए मूल्य संवर्धन करना है।

उन्होंने कहा कि देश में दूसरी हरित क्रांति के लिए सिर्फ खाद्य और

पोषक तत्वों की सुरक्षा ही आवश्यक नहीं है, बल्कि इसके लिए जीएम टेकनोलॉजी सहित सभी प्रौद्योगिकी जरूरी है। डॉ. वर्मा ने कहा कि भारतीय किसान बीटी कॉटन टेकनोलॉजी का लाभ देख चुके है और अब उनका संगठन सरकार और नीति निर्माताओं से किसानो के हितों को प्राथमिकता देने और वैज्ञानिक एवं सामाजिक आर्थिक आधार पर निर्णय लेने की अपील करता है।